बिहार विशिष्ट करेंट अफेयर्स: मई 2021 (अंग्रेज़ी)

HIT (होम आइसोलेशन ट्रैकिंग) बिहार में कोविड मरीजों के लिए एप्लिकेशन लॉन्च।

- बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने हाल ही में "HIT-COVID ऐप" लॉन्च किया है, जिसका उपयोग COVID-19 के मरीजों को ट्रैक करने के लिए किया जाएगा, जो बिहार राज्य में होम आइसोलेशन में हैं।
- मोबाइल एप्लिकेशन को स्वास्थ्य विभाग और सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के मार्गदर्शन में **बिहार राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड** द्वारा विकसित किया गया है।

हिट एप्लीकेशन के बारे में ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु:

- एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य बिहार राज्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और होम आइसोलेटेड मरीजों की समय पर ट्रैकिंग सुनिश्चित करना है।
- यह एप्लिकेशन स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को घर में अलग-थलग पड़े मरीजों की बेहतर देखभाल करने में मदद करेगा।
- स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा किए गए दौरे के माध्यम से रोगी के तापमान और ऑक्सीजन से संबंधित बुनियादी आँकड़ों को नियमित आधार पर अपडेट किया जाएगा।
- यह अपडेटेड डेटा स्वास्थ्य अधिकारियों को सचेत करेगा जब किसी मरीज का ऑक्सीजन स्तर 94 से नीचे गिर जाएगा और रोगी को आगे के इलाज के लिए तुरंत एक COVID वार्ड में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

बिहार राज्य के बारे में:

- मुख्यमंत्री: नीतीश कुमार
- राज्यपाल: फागु चौहान
- राजकीय वृक्ष: पीपल

बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल और कांग्रेस के दिग्गज नेता आर एल भाटिया का निधन हो गया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल श्री रघु नंदन लाल भाटिया (आर एल भाटिया), जिन्हें कांग्रेस पार्टी का पुराना घोड़ा भी कहा जाता था, का मई 2021 में अमृतसर पंजाब में COVID-19 से पीड़ित होने के बाद निधन हो गया।
- श्री भाटिया अमृतसर, पंजाब से 6 बार सांसद थे और 1992 में नरसिम्हा राव सरकार के तहत विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया।
- वह 2004 से 2008 तक केरल के राज्यपाल और 2008 से 2009 तक बिहार के राज्यपाल रहे।

सम्बंधित खबर:

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री, जगन्नाथ पहाड़िया, जो बिहार के पूर्व राज्यपाल भी थे, का निधन हो गया

- राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार के पूर्व राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया, जिनका जन्म 5 जनवरी 1932 को भुसावर, राजस्थान में हुआ था, का 89 वर्ष की आयु में COVID के कारण निधन हो गया।
- वे चार बार सांसद रहे और राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री भी रहे।
- उन्होंने 2009 से 2014 तक हरियाणा के राज्यपाल और 1989 से 1990 तक बिहार राज्य के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।

पद्म श्री, वैमानिकी वैज्ञानिक मानस बिहारी वर्मा का निधन हो गया

- पदम श्री से सम्मानित और प्रमुख वैमानिकी वैज्ञानिक मानस बिहारी वर्मा का 77 वर्ष की आयु में दरभंगा, बिहार में निधन हो गया।
- मानस बिहारी वर्मा का जन्म 29 जुलाई 1943 को बिहार के दरभंगा में हुआ था। वह एक वैमानिकी वैज्ञानिक बन गए और भारत के पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम के करीबी सहयोगी के रूप में 35 से अधिक वर्षों तक रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (DRDO) में कार्य किया।
- उन्होंने भारत के हल्के लड़ाकू विमान- तेजस के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- वह 2010 में "मोबाइल साइंस लेबोरेटरी" को गति देने के लिए भी जिम्मेदार थे, जो पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम का एक ड्रीम प्रोजेक्ट था।
- उन्होंने अपने करियर में कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए जैसे 2001 में DRDO के वर्ष के वैज्ञानिक पुरस्कार, 2004 में DRDO के प्रौद्योगिकी नेतृत्व पुरस्कार।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- वैमानिकी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 2018 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

त्रिपुरारी शरण, आईएएस बिहार के नए मुख्य सचिव नियुक्त

- बिहार के पूर्व मुख्य सचिव श्री अरुण कुमार सिंह के निधन के बाद वरिष्ठ आईएएस अधिकारी त्रिपुरारी शरण को बिहार राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।
- एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार उनका कार्यकाल केवल दो महीने की संक्षिप्त अवधि के लिए होगा।
- 1985 बैच के आईएएस अधिकारी श्री शरण इस साल 30 जून को सेवा से सेवानिवृत्त होंगे।
- वे राजस्व परिषद के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।
- सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, संजीव कुमार सिन्हा (1986 बैच) राजस्व परिषद में श्री शरण की जगह लेंगे।

मधेपुरा लोकोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से 100वां इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव तैयार

- एक फ्रांसीसी रोलिंग स्टॉक निर्माता, एल्सटॉम ने अपना 100वां इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव निर्मित करके भारतीय रेलवे को वितरित किया है।
- यह डिलीवरी भारतीय रेलवे और एल्स्टॉम के बीच 2015 में हुए 3.5 बिलियन यूरो के सौदे का हिस्सा है, जिसमें 12000 HP के 800 पूरी तरह से बिजली के उच्च शक्ति वाले डबल सेक्शन इंजनों का निर्माण और वितरण 11 साल की अवधि में भारतीय पटरियों पर 120 km प्रति घंटे की दर से चलाने के लिए किया गया है। यह सौदा रेलवे क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है।

- लोकोमोटिव को बिहार के मधेपुरा जिले में भारत के सबसे बड़े एकीकृत ग्रीनफील्ड निर्माण संयंत्र में निर्मित किया गया।
- इस विकास के बाद भारत ने दुनिया भर के उन 6 देशों में अपनी जगह बना ली है जो स्वदेशी रूप से ऐसे उच्च शक्ति वाले इलेक्ट्रिक इंजन का उत्पादन करते हैं।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now